ASHA ARCHIVES 3172

४ ॐ आदित्याय कलिंगदेशाधिपाय गाढ्यदशुद्ध सर्वकार्याजाताय विशाखनक्षत्राय कार्यस्य
[illegible] गाताय द्वितीयाजाताय शाखिगवर्णाय द्वादशांगुलियमानाय आदित्यदेवता अधिदेवतेभ्य
[illegible] प्रत्याधिदेवताग्रय दिवसस्य देवता हृदयस्थदेश अर्थात्मगगनसदिताय ॐ मानिस्यर्य
मानस्यर्य दुरितायसा आजकामनार्थं आयुआरोग्य सन्तिसकल्यान लक्ष्मीकामनार्थ
[illegible] यसमलयविनाशस्या ॐ इदमर्घ्यं गृहान स्वाहा ॥ धनआदित्याय ॥ १ ॥ ॐ भौमाय श्रीवसमद्वा
य ॥ वैशाखशुक्ल [illegible] द्वितीयाजाताय कृत्तिकनक्षत्राय [illegible] जाताय स्वगवर्णाय वैश्यजा

ताय अर्धचन्द्राकृतयअर्घ्याय दक्षिणदिशिमुखाय अधिदेवतादेवताय प्रत्याधिदेवता [illegible]
[illegible] गायत्री छन्दसअर्थात्मगगनसदिताय ॐ मानिस्यादि [illegible] यदीज [illegible]
य ॥ २ ॥ भौमाय मगदेशाधिपाय [illegible] जाताय [illegible] कृष्णवर्णाय [illegible] दक्षिणदिशि
मुखाय भौमाधिदेवतात्मदाय प्रत्याधिदेवता द्वितीयविशाखाक्षत्रिभौमाधिदेवता [illegible]
[illegible] छन्दसअर्थात्मगगनसदिताय ॐ मानिस्यादि ॥ [illegible] ॥ ३ ॥ ॐ बुधाय मगदेशाधिपाय
[illegible] द्वादशीजाताय [illegible] जाताय [illegible] जाताय [illegible] जाताय [illegible]

[illegible] अनुवाकतथ ॐ [illegible] ॐ चतुर्भुजाय वृषाय अधिदेवताय नारायणाय [illegible]
[illegible] वृषअधिदेवता [illegible] छंदसे [illegible] योगवर्गसहिताय ॐ मानिय ॥ सदगाछ धूम ॥ मध्यानंद
न ॥ १ ॥ धूपवाग मनि ली ॥ ॐ [illegible] सिंधुदेशोद्भवाय अमुनिशुक्ल एकादश्यांजाताय ॐ लल
हार्मुलीन कृताय अगस्त्यगोत्राय ब्राह्मणगोत्राय यीनवर्णाय यज्ञाकृतिर्ह्रीं ॐ चतुर्भुजाय
य [illegible] तथ अधिदेवताय [illegible] छंदसे [illegible] योगवर्गसहिताय ॐ मानियादि ॥ घृतकृत धूप
न ॥ ८ ॥ [illegible] ॥ ॐ शुक्रायशाय [illegible] छंदसे [illegible] वाय [illegible] शुक्ल नवम्यांजाताय [illegible]

[illegible] जाय [illegible] ब्राह्मणजाताय शुक्लवर्णाय चतुर्भुजाय [illegible] सूर्यादि [illegible]
[illegible] देवताय शुक्लवर्णाय [illegible] देवताय [illegible] छंदसे [illegible] योगवर्गसहिताय ॐ मा
निया [illegible] धूप ॥ तिलाघृतकृत अष्टम्यांजाताय [illegible] नंदनाय [illegible] गोत्राय [illegible]
तथ कृष्णवर्णाय दीर्घाकृतय यज्ञिमकृतिर्ह्रीं चतुर्भुजाय [illegible] देवताय [illegible] छंदसे [illegible] योगवर्ग
सहिताय ॐ मानियादि ॥ बिल्वधूप ॥ ८ ॥ बाबगंधक ॥ ॐ बाहुयमवद [illegible] वाय अमुनिशुक्ल पू
र्णिमायांजाताय [illegible] नंदनाय [illegible] गोत्राय [illegible] तथ कृष्णवर्णाय [illegible] नेत्र

[illegible] सूर्याय बहिर्वज्रधरवताय [illegible] यदिक्ष [illegible] अद्य [illegible] गणसहिताय [illegible] मानिद्यादि॥
[illegible] सूर्य॥ ७॥ मासादन॥ ८॥ [illegible] एकतवशीमर्द्धमाहवाय श्रवणहृद्य अमावास्याजाताय [illegible]
[illegible] जमूनि लोताय [illegible] दुजाताय धूर्म्मवर्णाय षडाहाताय वायुव्य यष्ठिमाद्रिमुखा
[illegible] वज्रधरवताय चित
[illegible]

ASHA ARCHIVES 3172

२०१ सन्मतिसंग्रहवर्णिनं

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]